म्याँमार में गृहयुद्ध

प्रिलिम्स के लिये:

म्याँमार में गृहयुद्ध, 1946 का विदेशी अधिनियम, शरणार्थी

मेन्स के लिये:

म्याँमार में गृहयुद्ध, सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियाँ और उनका प्रबंधन

स्रोत: द हिंदू

चर्चा में क्यों?

हाल ही में म्याँमार में चल रहे गृहयुद्ध के कारण **म्याँमार की सेना और मिज़ोरम** से लगे पश्चिमी चिन राज्य में **लोकतंत्र समर्थक मिलिशिया** के बीच तीव्र गोलीबारी के बाद म्याँमार के 1,500 नागरिकों ने मिज़ोरम के चम्फाई ज़िले में शरण ली।

//

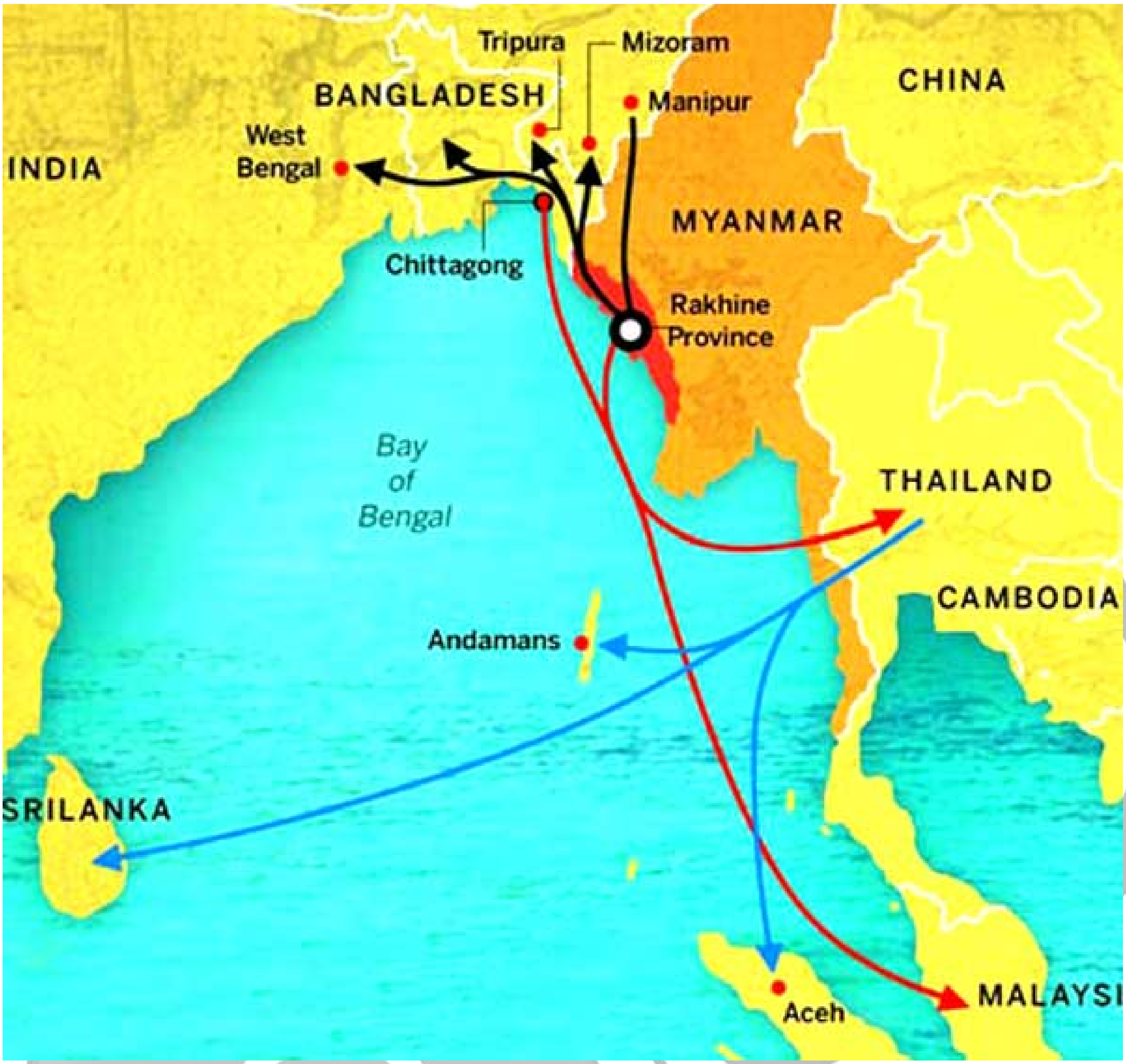

गृहयुद्ध क्या है?

- गृहयुद्ध एक ही **देश या राष्ट्र के भीतर संगठित समूहों के बीच लंबे** समय तक चलने वाला संघर्ष है।
- इसमें अलग-अलग **सामाजिक, राजनीतिक या वैचारिक मत वाले गुटों या समूहों के बीच सशस्त्र टकराव शामिल है**, जो देश के शासन, क्षेत्र या संसाधनों पर नियंत्रण या प्रभुत्व के लिये प्रतिस्पर्द्धा कर रहे हैं।

म्याँमार में वर्तमान गृहयुद्ध की पृष्ठभूमि क्या है?

- **2020 का चुनाव और सैन्य तख्तापलट:**
    - नवंबर 2020 के चुनाव में आंग सान सू की (Aung San Suu Kyi's) की पार्टी नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (NLD) ने चुनाव जीता। हालाँकि **सैन्य जुंटा (Military Junta), जिसे टाटमाडॉ (Tatmadaw) के नाम से जाना जाता है,** ने बिना पर्याप्त सबूत के चुनावी धोखाधड़ी का दावा करते हुए चुनाव परिणामों को खारिज़ कर दिया।
    - फरवरी 2021 में **सेना ने तख्तापलट किया, आंग सान सू की और अन्य निर्वाचित नेताओं को हिरासत में ले लिया,** आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी गई तथा सरकार का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया।
- **विरोध तथा प्रतिरोध:**
    - तख्तापलट के बाद पूरे म्याँमार में व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए, नागरिकों ने **लोकतंत्र की बहाली तथा हिरासत में लिये गए नेताओं की रिहाई** की मांग की।

- सविलि सेवक, कार्यकरत्ता तथा वभिन्नि समूह **हड़ताल एवं प्रदर्शन** करते हुए सवनिय अवज्ञा आंदोलन में शामलि हुए।

- **प्रतरिोध हेतु बलों का गठन:**
  - टाटमाडॉ (Tatmadaw) द्वारा असहमतपिर अपनी कार्रवाई तेज़ करते ही **एथनकि आर्म्ड ऑर्गेनाइज़ेशंस (EAO)** तथा सशस्त्र नागरकिों सहति वपिक्षी समूहों ने सैन्य जुंटा का वरिोध करने के लयि **पीपुल्स डफिेंस फोर्सेज़ (PDF)** का गठन कयि।
  - इन समूहों ने सेना के अधकिार को चुनौती देने के उद्देश्य से अपदस्थ सांसदों द्वारा स्थापति **नेशनल यूनटिी गवर्नमेंट (NUG)** का समर्थन कयि।
- **वर्तमान परदृिश्य:**
  - देश के अन्य हस्सिों, जैसे- राखीन राज्य, कायनि राज्य, मणपिुर की सीमा से लगे सांगांग
  - क्षेत्र तथा मज़िोरम की सीमा से लगे चनि राज्य में भी वभिन्नि स्थानीय प्रतरिोध बलों के नेतृत्व में संघर्ष की स्थतिि उत्पन्न हुई है।

म्यांमार में चल रहे गृहयुद्ध का भारत के लयि क्या अर्थ है?

- **संतुलति रुख:**
  - भारत ने म्याँमार में लोकतंत्र के "व्यवधान" पर चतिा व्यक्त करने तथा**उसके "महत्त्वपूर्ण हतिों" की रक्षा के लयि जुंटा का सहयोग करने** के बीच अब तक संतुलन स्थापति कर रखा है।
- **भारत के लयि तात्कालकि चतिाः**
  - पूर्वोत्तर भारत के सीमावर्ती राज्यों में म्याँमार के नागरकिों का प्रवेश।
  - वह भी ऐसे समय में जब मणपिुर में स्थतिि अस्थरि बनी हुई है।
- **वद्रिोहयिों द्वारा दो प्रमुख नगरों पर कब्ज़ा:**
  - जुंटा वरिोधी ताकतों ने म्याँमार और भारत के बीच केवल दो सीमा पार बदिुओं के करीब दो महत्त्वपूर्ण शहरों पर कब्ज़ा कर लयि है। ये हैं:
    - रखिावदार, मज़िोरम में ज़ोखावथर के करीब और
    - मणपिुर में मोरेह से लगभग 60 कमिी. दूर सांगांग क्षेत्र में खम्पट।
  - उत्तरार्द्ध (सांगांग क्षेत्र में खम्पट) में भी प्रस्तावति भारत-म्याँमार-थाईलैंड त्रपिक्षीय राजमार्ग परयिोजना का हस्सिा है।

शरणार्थयिों से नपिटने के लयि भारत में वर्तमान वधिायी ढाँचा क्या है?

- भारत सभी वदिेशयिों के साथ अच्छा व्यवहार करता है, चाहे वे **अवैध अप्रवासी हों, शरणार्थी** या वीज़ा परमटि से अधकि समय तक रहने वाले हों।
  - **1946 का वदिेशी अधनियिम:** धारा 3 के तहत केंद्र सरकार को अवैध वदिेशी नागरकिों का पता लगाने, हरिासत में लेने और नर्विासति करने का अधकिार है।
  - **पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधनियिम, 1920**: धारा 5 के तहत अधकिारी भारत के संवधिान के अनुच्छेद 258(1) के तहत कसिी अवैध वदिेशी को बलपूर्वक हटा सकते हैं।
  - **वदिेशयिों का पंजीकरण अधनियिम 1939:** इसके तहत एक अनविार्य आवश्यकता है जसिके तहत दीर्घकालकि वीज़ा**(180 दनिों से अधकि)** पर भारत आने वाले सभी वदिेशी नागरकिों (भारत के वदिेशी नागरकिों को छोड़कर) को भारत पहुँचने के 14 दनिों के भीतर खुद को जीकरण अधकिारी के साथ पंजीकृत करना आवश्यक है।
  - **नागरकिता अधनियिम, 1955:** इसमें नागरकिता के त्याग, समाप्तिऔर वंचति करने के प्रावधान प्रदान कयि गए।
    - इसके अलावा [नागरकिता संशोधन अधनियिम, 2019 (CAA)] बांग्लादेश, पाकस्तिान और अफगानस्तिान में सताए गए हदिू, ईसाई, जैन, पारसी, सखि तथा बौद्ध प्रवासयिों को नागरकिता प्रदान करना चाहता है।
- **भारत ने** शरणार्थी होने का दावा करने वाले वदिेशी नागरकिों से नपिटने के लयि सभी संबंधति एजेंसयिों द्वारा पालन की जाने वाली**एक मानक संचालन प्रक्रयि (SOP) जारी की है।**

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????????:

प्रश्न. नम्नलखिति युग्मों पर वचिार कीजयि: (2016)

	समाचारों में कभी-कभी उल्लखिति समुदाय	कसिके मामलों में
1.	कुर्द	बांग्लादेश
2.	मधेसी	नेपाल
3.	रोहग्यि	म्याँमार

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलति है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) केवल 2 और 3
(d) केवल 3

उत्तर: (c)

?????:

प्रश्न. भारत की सुरक्षा को गैर-कानूनी सीमा पार प्रवसन कसि प्रकार एक खतरा प्रस्तुत करता है? इसे बढ़ावा देने के कारणों को उजागर करते हुए ऐसे प्रवसन को रोकने की रणनीतियों का वर्णन कीजिये। (2014)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/civil-war-in-myanmar